मूल्य 1 रु.
वर्ष: 10 - अंक : 68, मुंबई, सोमवार, 11 मई, 2020 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादक: दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®
अब हर सच होगा उजागर

खूनी लॉकडाउन

16 मजदूरों की मौत के बाद जागी मोदी... सरकार

ट्रेनों का किराया राजधानी जितना होगा

केवल कन्फर्म टिकट वाले यात्रियों को रेलवे स्टेशन पर आने की इजाजत मिलेगी, मास्क पहनना जरूरी

12 मई से ट्रेन चलाने की तैयारी

आज से टिकटों की ऑनलाइन बुकिंग

(समाचार पृष्ठ 3 पर)

केयरटेकर निकला कोरोना पॉजिटिव

मुंबई में टी-सीरीज की बिल्डिंग सील

संवाददाता

मुंबई। मुंबई के अंधेरी वेस्ट लिंक रोड में स्थित म्यूजिक कंपनी और फिल्म प्रॉडक्शन टी-सीरीज के ऑफिस की बिल्डिंग को सील कर दिया गया है। दरअसल, टी सीरीज बिल्डिंग में काम करने वाले एक केयरटेकर को जांच के बाद कोरोना पॉजाटिव बताया जा रहा है। शनिवार की दोपहर टी-सीरीज की इमारत और आस-पास के इलाके को सील कर दिया गया है। बिल्डिंग में रहने वाले ग्राउंड स्टाफ में से एक कोरोना पॉजिटिव निकला, जिसके बाद बीएमसी ने इस पूरी बिल्डिंग सहित इलाके को सील कर दिया है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

संपादकीय

कुछ अच्छा भी

हमारी दुनिया के उतने ही पहलू होंगे, जितने आसमान में तारे। हालांकि इन दिनों कोरोना सभी पहलुओं पर हावी है। इंसान भले ही सीधे उसके निशाने पर हो, प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से इससे पूरी दुनिया प्रभावित हो रही है। यह विडंबना ही है कि इंसान के लिए खतरनाक इस समय का दिलचस्प पक्ष यह है कि दुनिया में बहुत कुछ ऐसा हुआ है, जो कोरोना से पहले असंभव था। जीव-जगत ही नहीं, पेड़-पौधों की दुनिया में भी सकारात्मक परिवर्तन दर्ज करने का सिलसिला जारी है। एक अलग ही दुनिया नजर आ रही है। सबसे बड़ी खुशखबरी यह है कि आर्कटिक पर रिकॉर्ड आकार का ओजोन छिद्र, जो 2011 के बाद से सबसे बड़ा था, अब बंद हो गया है। संयुक्त राष्ट्र विश्व मौसम संगठन (डब्ल्यूएमओ) लगातार इसकी पड़ताल में लगा है। हालांकि कुछ वैज्ञानिक यह भी बता रहे हैं कि इसका सीधे कोरोना से संबंध नहीं है, लेकिन इतना तय है कि पृथ्वी पर आकाश, वायु, जल इत्यादि को राहत का एहसास हुआ है। लोग भूले नहीं हैं, वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी थी कि ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन 2020 में कम होना शुरू हो जाना चाहिए, वरना पृथ्वी तेजी से एक ऐसी जगह में तब्दील होती जाएगी, जहां इंसानों और बाकी जीवों का रहना मुश्किल हो जाएगा। कोरोना की वजह से जो लॉकडाउन हुआ है, उसे देखते हुए वैज्ञानिक आश्वस्त हैं, पर्यावरण सुधार की जीवनदायी प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। किसी ने यह सोचा नहीं था कि एक महामारी की वजह से ऐसा संभव होगा, लेकिन आज दुनिया का यही सच है। नासा और अन्य अंतरिक्ष विज्ञान संस्थानों के सैटेलाइट लगातार ऐसे चित्र भेज रहे हैं, जिनसे पता चलता है कि धरती पर प्रदूषण का स्तर बहुत घट गया है। अनुमान है, दुनिया में प्रदूषण में औसतन 40 प्रतिशत से अधिक की कमी आई है। ग्लोबल कार्बन प्रोजेक्ट के अनुसार, इस साल कार्बन उत्सर्जन में पांच प्रतिशत से ज्यादा कमी के संकेत मिलने लगे हैं। मार्च से अप्रैल तक की बात करें, तो हम सौ साल पहले वाली प्रकृति और पर्यावरण में पहुंच रहे हैं। कार्बन उत्सर्जन में कमी की सबसे बड़ी वजह है, दुनिया में पहले की तुलना में 71 प्रतिशत कम हवाई जहाज उड़ रहे हैं। विमानों के कम उड़ने से जो अध्ययन हुए हैं, उनसे यह पता चलता है कि 33 प्रतिशत व्यावसायिक विमान यात्राओं के बिना भी काम चल सकता है। बेशक, आने वाले दिनों में कंपनियों के प्रबंधन में भी दिलचस्प बदलाव देखने को मिलेंगे। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, दुनिया में हर साल 70 लाख लोग वायु प्रदूषण की वजह से मारे जाते हैं। भारत की बात करें, तो दशकों बाद लोगों को साफ आसमान नसीब हुआ है। सेंटर फॉर इंटरनेशनल क्लाइमेट रिसर्च के अनुसार, फरवरी में वायु प्रदूषण में 30 प्रतिशत की गिरावट देखी गई थी, अगर प्रदूषण के इस स्तर को भी लंबे समय तक बनाए रखा जाए, तो हम हर साल 50 हजार से एक लाख लोगों की जान बचा पाएंगे। भारत के आंकडे. उपलब्ध नहीं हैं, लेकिन मार्च तक ब्रिटेन में सड़कों पर ट्रैफिक में 73 प्रतिशत तक कमी आई है।

चीन से बाहर अपना कारोबार शुरू करने वाली कंपनियां भारत की ओर कर सकती है रुख

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग और सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्योग मंत्री नितिन गडकरी कह रहे हैं कि दुनिया में कोई भी चीन में निवेश नहीं करना चाह रहा है और हमने अपने मंत्रलय में संयुक्त सचिव स्तर के अधिकारी को इस काम के लिए तैनात किया है ताकि विदेशी निवेश भारत में लाया जा सके। गडकरी ने कहा है कि चीन के प्रति दुनिया भर के अविश्वास का लाभ भारत को उठाना चाहिए। उन्होंने भरोसा जताया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुआई में भारत सरकार इस अवसर का लाभ उठाने में कामयाब होगी। भारत सरकार में मंत्री होने के नाते नितिन गडकरी की यह सदिच्छा स्वाभाविक दिखती है और देश भी इसी तरह से देख रहा है कि चीन से कंपनियां जब बाहर निकलेंगी तो उनका स्वाभाविक ठिकाना भारत होगा।

ताजा यूबीएस मार्केट रिपोर्ट के मुताबिक चीन से बाहर जाने वाली कंपनियों के लिए भारत सर्वाधिक उपयुक्त स्थान हो सकता है। यूबीएस ने 500 बड़ी कंपनियों के बड़े अधिकारियों से बातचीत के आधार पर यह रिपोर्ट जारी की थी। दुनिया की कई एजेंसियां भी यह मान रही हैं कि चीन से बाहर निकलने की इच्छा रखने वाली कंपनियों के लिए भारत सवरेत्तम स्थान हो सकता है, लेकिन केवल ऐसी सद्भावना रिपोर्ट से निवेश नहीं आता है। चीन जैसे देश से कंपनियां अपनी इकाइयां भारत लेकर आएं, इसके लिए सबसे जरूरी है कि भारत सरकार चीन में निर्माण इकाई लगाने वाली कंपनियों की एक रिपोर्ट तैयार करे कि आखिर किन वजहों से ये कंपनियां चीन में जमी हुई हैं। सस्ता श्रम और नीतियों में एकरूपता के मामले में भारत चीन से प्रतिस्पर्धी हो चुका है, लेकिन क्या दूसरे मानकों पर भारत सरकार के विदेश और वित्त मंत्रलय के अधिकारियों ने ऐसी कोई रिपोर्ट तैयार की है। जवाब फिलहाल नहीं में ही दिख रहा और यहीं यह समस्या बड़ी होती दिखती है कि सिर्फ ऐसी रिपोर्ट से चीन से निकलने वाली कंपनियां भारत कैसे आएंगी।

अमेरिका और चीन के बीच व्यापार युद्ध के दौरान ही अमेरिकी, जापानी और दक्षिण कोरियाई कंपनियां चीन से बाहर निकलने की तैयारी करने लगी थीं। तभी भारत सरकार को यह तैयारी युद्धस्तर पर करनी चाहिए थी, लेकिन भारत सरकार उसमें सफल नहीं हो सकी। निश्चित तौर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर ने राजनयिक स्तर पर अमेरिका, जापान, दक्षिण कोरिया और दूसरे देशों के साथ संबंध इतने बेहतर किए हैं कि सद्भावना के तहत इन देशों की कंपनियों की पहली प्राथमिकता भारत हो सकती है, लेकिन हमें समझना होगा कि बड़ी कंपनियां सद्भावना रिपोर्ट के आधार पर अपना निवेश एक देश से दूसरे देश में नहीं ले जाती हैं। खासकर चीन से कंपनियों को अपनी निर्माण इकाई दूसरे देश में ले जाना ज्यादा मुश्किल इसलिए भी है, क्योंकि चीन में कंपनियों ने भारी निवेश कर रखा है। अब जरा कुछ तथ्य देखिए। रीको ने बीते जुलाई में ही प्रिंटर उत्पादन इकाई को चीन के शेनझेन से थाईलैंड शिफ्ट कर दिया था। नाइकी वियतनाम और थाईलैंड के साथ भारत भी आने की संभावना तलाश रही है। पैनासोनिक के एक अधिकारी ने स्पष्ट किया था कि उनकी कंपनी चीन से बाहर जाने की संभावना तलाश रही है। जापानी वाहन निमार्ता कंपनी माजदा ने चीन से अपना उत्पादन मेक्सिको इसी महामारी के बीच शिफ्ट कर लिया है। और यह सब इसके बावजूद हो रहा है कि भारत सरकार ने मेक इन इंडिया के तहत विदेशी कंपनियों को भारत में लाने के लिए कॉरपोरेट टैक्स 35 प्रतिशत से घटाकर करीब 25 प्रतिशत कर दिया है। कई मामलों में तो यह 22 और नई कंपनियों के मामले में 15 प्रतिशत कर दिया है। भारत को एक और बड़ा लाभ सभी देशों के मुकाबले यह भी है कि भारत ऐसा मैन्यूफैक्चरिंग हब बन सकता है, जहां उत्पादन की खपत भी पूरी हो सकती है, क्योंकि दुनिया का सबसे बड़ा बाजार भी यहीं है। चीन के बाद भारत के पास ही इस तरह का बाजार है, लेकिन इस सबके बावजूद वियतनाम, मलेशिया, ताइवान और थाईलैंड भारत से बाजी मार ले जा रहे हैं तो इसका सीधा दोष सरकारी नीतियों को लागू करने में शिथिलता पर ही जाएगा। चीन से ढेर सारी कंपनियां बाहर निकलने की कोशिश कर रही हैं। कंपनियों ने चीन में इतना भारी निवेश कर रखा है कि एक साथ वहां से निकलना संभव नहीं, इसलिए कंपनियां दूसरे देशों में अपना छोटी-बड़ी आधार इकाई लगा रही हैं। फिलहाल शुरूआती इकाई लगाने के लिए चीन से निकलने वाली कंपनियां भारत के मुकाबले वियतनाम, मलेशिया और सिंगापुर को तरजीह दे रही हैं। भारत की प्राथमिकता थाईलैंड और फिलीपींस जैसे देशों से बस थोड़ा ही ऊपर है। नोमुरा की रिपोर्ट बता रही है कि भारत सरकार को अपनी नीति बनाने और उसे लागू करने में देर नहीं करनी चाहिए, वरना उसे बड़ी हानि हो सकती है। अभी चीन से बाहर निकलने वाली कंपनियां अगर भारत नहीं आ रही हैं तो उसकी एक बहुत बड़ी वजह यह भी है कि ये कंपनियां भारतीय कंपनियों से बात करती हैं तो पता चल रहा है कि फिलहाल यहां कारोबार कब शुरू होगा, इस बारे में कोई स्पष्टता ही नहीं है। इसलिए जरूरी है कि सरकार, चीन से बाहर निकल रही कंपनियों को भारत लाने के लिए देश में कारोबार को चरणबद्ध तरीके से शुरू करे। बदलते विश्व में भारत को ऐतिहासिक अवसर मिल रहा है। यह अवसर चूके तो हम कभी विश्व गुरु थे, यह बताएंगे और यह अवसर चुनौती की तरह लेकर अपने पक्ष में कर लिया तो विश्व गुरु भारत को दुनिया मान लेगी। इस ऐतिहासिक अवसर को भारत के पक्ष में कैसे बदलना है, इसकी योजना बनाकर लागू करने के लिए ही जनता ने प्रचंड बहुमत से नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री के तौर पर चुना है। चीन से बाहर अपना कारोबार शुरू करने वाली कंपनियां भारत की ओर रुख कर सकती हैं, लेकिन इसके लिए सही नीति बनाते हुए उनसे बातचीत करनी होगी और तत्काल आर्थिक गतिविधियां शुरू होने का भरोसा दिलाना होगा।

छोटे उद्योगों को राहत

सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उपक्रमों यानी एमएसएमई भले ही आकार में छोटे हों, लेकिन देश की तरक्की में उनकी बड़ी अहमियत है। वे आर्थिक विकास, नवाचार और रोजगार सृजन के सबसे बड़े संवाहक हैं। मौजूदा कोरोना संकट का सबसे ज्यादा दुष्प्रभाव भी उन पर ही पड़ता दिख रहा है, क्योंकि उनके पास बड़ी कंपनियों जितने संसाधन नहीं हैं। चूंकि मांग में लगातार गिरावट जारी है और हाल-फिलहाल सुधार के आसार नहीं दिखते इसलिए इन उद्यमियों के लिए कर्ज की अदायगी से लेकर कर्मचारियों को वेतन देने जैसी जिम्मेदारियों को पूरा करना भी मुश्किल होगा। उन समस्याओं का खाका खींचा जाना बेहद आवश्यक है जिनसे एमएसएमई करीब साल भर तक जूझने को मजबूर होंगे। नकदी की किल्लत के कारण छोटे उद्यमियों के समक्ष वेतन, बिजली बिल, किराया, टेलीफोन बिल, ब्याज, कर्ज की मूल किस्त और अन्य अनेक खर्चों के लिए वित्तीय बंदोबस्त की समस्या मुंह बाएं खड़ी हैं। लॉकडाउन समाप्ति के कम से कम तीन महीने तक तो ये दुश्वारियां बहुत परेशान करने वाली हैं। तमाम छोटे उद्यमों को इस संकट से भी दो-चार होना पड़ सकता है कि उनके ऑर्डर निरस्त हो जाएं। छोटे उद्यम पीएसयू और बड़ी दिग्गज कंपनियों से भुगतान में लेटलतीफी जैसी समस्याएं भी झेलते हैं। आने वाले महीनों में यह समस्या और विकराल हो सकती है। चूंकि इन इकाइयों में काम करने वाले अधिकांश कामगार अपने गांव-घर की ओर कूच कर गए हैं ऐसे में उन्हें सामान्य कामकाज बहाल करने में लंबा समय लग सकता है। इसी तरह ऑर्डर निरस्त होने, श्रम विवादों, कर्ज के मूल और ब्याज की अदायगी न होने जैसे तमाम कारणों के चलते मुकदमों की भी बाढ़ आ सकती है। मुश्किलों के ऐसे भंवर में फंसे एमएसएमई को उबारने में बैंक और एनबीएफसी भी हिचक दिखाएंगे। ऐसी स्थिति में सरकार से अपेक्षाएं बढ़ना स्वाभाविक है। भारत सरकार को कई मोर्चों पर सक्रियता के साथ कदम उठाने होंगे।

महाराष्ट्र में अब तक 786 पुलिसकर्मियों को कोरोना, अब तक 7 की मौत

मुंबई। महाराष्ट्र में कोरोना का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। राज्य में कोरोना पॉजिटिव मामले लगातार बढ़ते जा रहा हैं। लेकिन रविवार को महाराष्ट्र पुलिस ने जो आंकड़ा जारी किया है, वह हैरान करने वाला है। राज्य में अब तक 786 कर्मवीर पुलिसकर्मियों को कोरोना की पुष्टि हुई है। वहीं इनमें से 76 लोग ठीक हो चुके हैं और सात लोगों की मौत हो गई है। रविवार को महाराष्ट्र पुलिस द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, राज्य में 22 मार्च के बाद पुलिसकर्मियों पर हमले के 200 मामले सामने आए, जिनमें 732 आरोपियों को अब तक गिरफ्तार किया जा चुका है। वहीं आईपीसी की धारा 188 के तहत राज्य में 1,01, 316 मामले दर्ज किए गए और 660 लोगों को क्वारंटीन तोड़ते हुए (मुंबई के आंकड़े शामिल नहीं) पकड़ा गया। कोविड-19 से जुड़े मामलों के संबंध में इस दौरान डायल-100 पर 87,893 कॉल आईं।

80 पुलिसकर्मी हुए घायल: जानकारी के मुताबिक, इस दौरान अनाधिकृत ट्रांसपोर्ट के 1,291 मामले दर्ज किए गए और 19,513 लोगों को गिरफ्तार किया गया। वहीं इस दौरान 55,650 गाड़ियां जब्त की गईं और 3,82,27,794 रुपये का फाइन लगाया गया। 22 मार्च के बाद से विभिन्न हमलों में एक होमगार्ड समेत 80 पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। इसके अलावा राज्य में इस दौरान 32 स्वास्थ्यकर्मियों पर हमला हुआ है।

एअर इंडिया के पांच पायलट कोरोना वायरस से संक्रमित पाये गये

संवाददाता

मुंबई। एअर इंडिया के पांच पायलट कोरोना वायरस से संक्रमित पाये गये हैं। एयरलाइन के सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी। एअर इंडिया विदेशों में फंसे भारतीय नागरिकों को वहां से निकालने के लिए उड़ानों का संचालन कर रही है। सूत्रों ने बताया कि एअर इंडिया ने अपने पायलटों को इस तरह की किसी भी उड़ान से पहले कोरोना वायरस की जांच कराने को कहा था। एक सूत्र

ने से कहा, एअर इंडिया के पांच पायलट कोरोना वायरस से संक्रमित पाये गये हैं। इन पायलटों का एक के बाद एक परीक्षण किया गया था। हमें संदेह है कि यह खराब जांच किट का भी मामला हो सकता है। एक अन्य सूत्र ने बताया कि ये पांच पायलट बोइंग 787 विमानों का संचालन करते हैं। एअर इंडिया के प्रवक्ता ने अभी इस संबंध में कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। एयर लाइन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इन पांचों पायलट ने पिछले तीन सप्ताह में किसी भी उड़ान का संचालन नहीं किया था। अधिकारी ने कहा, ये पायलट 20 अप्रैल से पहले कार्गो विमानों को लेकर चीन गये थे।

विदेश में फंसे 572 भारतीय मुंबई पहुंचे, पृथक-वास में भेजा गया

मुंबई। लॉकडाउन के कारण विदेश में फंसे 572 भारतीय रविवार तड़के मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा पहुंचे। महाराष्ट्र सरकार के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने कहा कि इन यात्रियों में से जो लोग मुंबई के हैं, उन्हें हवाईअड्डे के पास स्थित होटलों में अनिवार्य रूप से पृथक-वास में रखा गया जबकि अन्य शहरों के यात्रियों को उनके स्थानों पर ले जाया गया। अब इन यात्रियों को भी उनके आसपास के होटलों में पृथक-वास में रहना होगा। उन्होंने बताया कि एक उड़ान लंदन से और एक सिंगापुर से यहां पहुंची। अधिकारी ने कहा, करीब 572 यात्री पहुंचे। केंद्र सरकार के दिशा-निर्देशों के मुताबिक, पहले सभी की स्क्रीनिंग की गई और फिर पृथक-वास में रखा गया। सभी को अनिवार्य रूप से स्वास्थ्य परीक्षण करवाना होगा और राज्य की ओर से मुहैया करवाए गए स्थान पर पृथक-वास में रहना होगा।

कांग्रेस ने राजेश राठौड़ को दिया विधान परिषद का टिकट

मुंबई। कांग्रेस ने महाराष्ट्र विधान परिषद के चुनाव में राजेश राठौड़ को उम्मीदवार बनाया है। पार्टी ने एक बयान जारी कर इसकी जानकारी दी। राठौड़ महाराष्ट्र के मराठवाड़ा क्षेत्र के जालना जिले से आते हैं। कांग्रेस के एक नेता ने बताया कि राठौड़ को उम्मीदवार बनाकर पार्टी ने युवा और ओबीसी समाज को प्रतिनिधित्व दिया है। महाराष्ट्र में विधान परिषद की नौ सीटों के लिए 21 मई को चुनाव हो रहा है। विधानसभा की मौजूदा गणित के हिसाब से चार सीटें बीजेपी और पांच सीटें शिवसेना-कांग्रेस-एनसीपी गठबंधन को जाएंगी। शिवसेना की तरफ से मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे भी उम्मीदवार हैं। कोरोना संकट के कारण विधान सभा की किसी सीट पर उपचुनाव संभव नहीं होने होने की स्थिति में महा विकास आघाड़ी सरकार ने राज्यपाल कोटे की विधान परिषद सीट पर ठाकरे को मनोनीत करने का भगत सिंह कोश्यारी से अनुरोध किया था। राज्यपाल कोश्यारी ने ठाकरे को मनोनीत करने के बजाय चुनाव आयोग से विधान परिषद की रिक्त सीटों पर चुनाव कराने का अनुरोध किया। कोश्यारी के अनुरोध पर आयोग ने विशेष परिस्थितियों का हवाला देते हुए चुनाव कराने का फैसला किया।

(पृष्ठ 1 का शेष)

12 मई से ट्रेन चलाने की तैयारी

मुंबई। महाराष्ट्र के औरंगाबाद में ट्रेन की चपेट में आने से 16 मजदूरों की मौत के बाद आखिरकार मोदी सरकार नींद से जाग गई है। सवाल यह है कि अगर मोदी सरकार पहले ही इन ट्रेनों को शुरु किया होता तो शायद औरंगाबाद में 16 मासूम गरीब मजदूरों की मौत नहीं होती। अब रेल मंत्रालय ने यह फैसला लिया है कि 12 मई से पैसेंजर ट्रेन की सेवा शुरू की जायेगी। शुरूआत में 15 ट्रेनें चलाई जाने की तैयारी है। 11 मई शाम 4 बजे से टिकट की बुकिंग शुरू कर दी जाएगी। शुरूआत में 15 ट्रेनें चलाई जाएंगी, जिनकी सेम रूट से वापसी भी होगी। ट्रेनों की शुरूआत सबसे पहले नई दिल्ली से होगी। नई दिल्ली से से स्पेशल ट्रेन डिब्रूगढ़, अगरतला, हावड़ा, पटना, बिलासपुर, रांची, भुवनेश्वर, सिकंदराबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, तिरुवनंतपुरम, मड़गांव, मुबंई सेंट्रल, अहमदाबाद और जम्मू तवी के लिए चलेंगी। भारतीय रेलवे 12 मई से पैसेंजर ट्रेन की सेवा शुरू करने की योजना बना रहा है। शुरू में 15 जोड़ी ट्रेनें चलाई जा सकती हैं। बाद में इसे और बढ़ाने की तैयारी है। ये सभी ट्रेन स्पेशल ट्रेन होंगी जिन्हें नई दिल्ली से देश के अलग-अलग 15 हिस्सों में भेजा जाएगा। भारतीय रेलवे नए रूट पर भी स्पेशल ट्रेन चलाने की तैयारी कर रहा है। फिलहाल 20,000 कोच कोविड-19 केयर सेंटर के तौर पर बनाई गई हैं। लॉकडाउन में फंसे प्रवासी मजदूरों की वापसी के लिए 300 श्रमिक स्पेशल ट्रेनें पहले से ही चलाई जा रही हैं।

11 मई से मिलेगा ऑनलाइन टिकट

इन ट्रेनों के लिए रिजर्वेशन शाम 4 बजे से 11 मई को शुरू किया जाएगा। ट्रेन टिकट केवल आईआरसीटीसी की वेबसाइट www.irctc.co.in पर उपलब्ध होंगे। रेलवे स्टेशन पर टिकट बुकिंग काउंटर बंद रखे जाएंगे। टिकट काउंटर से कोई भी टिकट नहीं जारी किया जाएगा। मतलब साफ है कि यात्री सिर्फ ऑनलाइन ही टिकट खरीद सकते हैं।

फ्लू के लक्षण दिखे तो नहीं मिलेगी एंट्री

केवल उन्हीं यात्रियों को ट्रेन में चढ़ने की इजाजत दी जाएगी जिनका टिकट कन्फर्म है। रेलवे स्टेशन के भीतर भी केवल ऐसे ही यात्रियों को आने की अनुमति दी जाएगी। हर यात्री के लिए डिपार्चर पर जाने से पहले चेहरे को ढकना अनिवार्य होगा। ऐसे ही यात्रियों को कोच में जाने की इजाजत मिलेगी जिनमें फ्लू के कोई लक्षण न दिखें।

दैनिक मुंबई हलचल अब हर सच होगा उजागर 5

लॉकडाउन के दौरान स्टील व्यापारी भाईयों व जीवदया प्रेमिओं की ओर से की गई अनूठी सेवा

संवाददाता

मीरा-भायंदर में स्टील ऐसोसिएशन के द्वारा पिछले दस सालों से घायल, बीमार अबोल पशु पक्षीओ का निशुल्क ईलाज किया जाता है। कोरोना की इस भीषण महामारी में बन्द पडे स्टील गाले, सुनसान गलियों में हजारों कुत्ते बिल्लीओं कोई खिलाने वाला नहीं है। स्टील व्यापारी भाईयों व जीवदया प्रेमीओ के सहयोग से इस आपदा में कोई जीव भुख से ना मरे, इसलिए भूखे पक्षीओ के लिए दाना पानी की व्यवस्था चल रही है, तथा करीब छ से सात सौ कुत्ते बिल्ली को दूध बिस्कुट रोटियों से भरपेट भोजन करा रहे हैं लॉकडाउन के दौरान भी हमारा हास्पिटल का स्टाफ डाक्टर, जीवदया प्रेमी इस निस्वार्थ भाव कि सेवा में सहयोग दे रहे हैं। आप भी अपने एरिया में अपने बिल्डिंग के आसपास कोई जीव भूख से ना मरे इस बात का विशेष ध्यान रखें उनके खाने पीने के लिए जरूर अपने हाथ आगे बढ़ाये और पुण्यशाली बनने का सोभाग्य प्राप्त करे।

कांदिवली में अचानक गिरा जर्जर मकान

12 लोग बचाए गए

कोरोना के संक्रमण काल से जूझ रही मुंबई में रविवार सुबह एक दुर्घटना की खबर सामने आई है। मुंबई में रविवार को सुबह एक जर्जर मकान के क्षतिग्रस्त होने के बाद इसमें मौजूद कई लोग मलबे में दब गए। इसकी जानकारी के बाद मौके पर पहुंचे आपदा प्रबंधन विभाग के अधिकारियों और पुलिस ने एक बड़ा रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। इस हादसे के बाद कई घंटे तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन में प्रशासन ने कुल 12 लोगों को मलबे से निकालकर अस्पताल पहुंचाया। आधिकारिक जानकारी के अनुसार, मुंबई में आपदा प्रबंधन विभाग के कंट्रोल रूम को सुबह 6.10 बजे ये सूचना मिली थी की कांदिवली वेस्ट की साबरिया मस्जिद के पीछे मौजूद एक मकान अचानक गिर गया है। इस घटना की जानकारी के तुरंत बाद मौके पर आपदा प्रबंधन विभाग की टीमों और पुलिस को भेजा गया। इसके बाद स्थानीय लोगों और एजेंसियों की मदद से मौके पर मौजूद तीन लोग बाहर निकाल लिए गए। इसके बाद 9 और लोग मलबे से बाहर निकाले गए।

गायक रवींद्र सिंह का म्यूजिक वीडियो ‘सूना सूना’ श्रोताओं को कर देगा भाव विभोर

इस कोरोना महामारी व लॉकडाउन के समय जाने-माने गायक रवींद्र सिंह ने अपना भावपूर्ण अनुभव संगीत के माध्यम से जाहिर किया है। उन्होंने अपनी सुरीली आवाज से भारत की एकाकी सड़कों पर वापस जीवन देने की एक मधुर प्रस्तुति दी है जो उनकी मनोहर आवाज को बयां करती है। कोविड 19 के कारण दुनिया में लॉकडाउन देखी जा रही है। रवींद्र सिंह ने एक प्यारा सा भावनात्मक गीत ‘सूना सूना’ गाया है। गायन और संगीत के प्रति रवींद्र का जुनून उनके पहले रिलीज हुए गीतों में भी उल्लेखनीय रूप से देखा गया है। इस बार उनके गाने ने दिलों को खुशी और प्यार से भर दिया है। लॉकडाउन के दौरान वह हमेशा गाते रहे हैं और अपने आसपास के लोगों को प्रेरित करते रहे हैं। उन्होंने कहा कि सभी लोग मजबूती के साथ रह रहे हैं, लोगों को घातक वायरस से संक्रमित होने से बचने के लिए सुरक्षित रूप से घर में रहना पड़ रहा है। मुझे प्रकृति से प्यार है और इससे पहले जारी किए गए म्यूजिक वीडियो में प्राकृतिक दृश्यों का फिल्मांकन किया गया है, मेरे साथ प्रदर्शन करने वाले अभिनेता और दर्शकों में से कई उन क्षणों को जारी रखने के लिए निरंतर संपर्क में हैं और हम सभी स्थिति के सामान्य होने की कामना कर रहे हैं। संगीत प्रेमी सोशल मीडिया पर कई सुपरहिट म्यूजिक वीडियो का अनुसरण करते रहते हैं, जिन्हें विभिन्न देशों में रहने वाले हिंदी गीत प्रेमियों द्वारा रेडियो स्टेशनों द्वारा सुना जाता है। यह आत्मीयता से परिपूर्ण सार्थक गीत लोगों के लिए एक उपहार है।

मुंबई के आर्थर रोड जेल में कोरोना विस्फोट

81 और कैदी मिले पॉजिटिव

देश में कोरोना वायरस का कहर लगातार बढ़ता जा रहा है। देश में कोरोना वायरस से सबसे ज्यादा प्रभावित राज्य महाराष्ट्र है। वहीं महाराष्ट्र में मुंबई की आर्थर रोड जेल में अब कोरोना संक्रमण फैलता जा रहा है। मुंबई की आर्थर रोड जेल में अब तक 150 से ज्यादा कैदी कोरोना वायरस से पॉजिटिव पाए जा चुके हैं। मुंबई की आर्थर रोड जेल में भी कोरोना वायरस अपने पांव पसार रहा है। आर्थर रोड जेल में अब नए कोरोना संक्रमित मरीजों की पुष्टि हुई है। सभी नए मरीज जेल में कैदी हैं। आर्थर रोड जेल में अब 81 और कैदियों की रिपोर्ट कोरोना वायरस से पॉजिटिव पाई गई है। इसके साथ ही आर्थर रोड जेल में अब तक 158 कैदी कोरोना वायरस से पॉजिटिव पाए जा चुके हैं। इससे पहले इसी जेल से 77 कैदी कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए थे। वहीं कुल 158 कैदियों के अलावा 26 जेल अधिकारियों में भी कोरोना वायरस का संक्रमण पाया जा चुका है। इसके साथ ही अब तक आर्थर रोड जेल से 184 मरीज कोरोना संक्रमित पाए जा चुके है। जेल के अधिकारियों के मुताबिक अब इन कैदियों के लिए आर्थर रोड जेल के अंदर ही क्वारनटीन सुविधा तैयार की गई है। जेजे अस्पताल के डॉक्टर हर दिन जेल जाएंगे। बता दें कि आर्थर रोड जेल मुंबई की सबसे पुरानी जेल है। यह कस्तूरबा अस्पताल के ठीक सामने है। कस्तूरबा अस्पताल को ही मुंबई में कोविड-19 का नोडल हॉस्पिटल बनाया गया है।

महिला जेल में भी कोरोना संक्रमण

वहीं भायखला महिला जेल की 54 वर्षीय एक कैदी में भी कोरोना वायरस का संक्रमण पाया गया है। जेल अधिकारी के मुताबिक कैदी को सांस लेने में तकलीफ होने की शिकायत के बाद महिला कैदी को सरकारी जेजे अस्पताल ले जाया गया था।

लॉकडाउन में नहीं चलीं लोकल ट्रेनें पंछियों ने तारों पर बनाए आशियाने

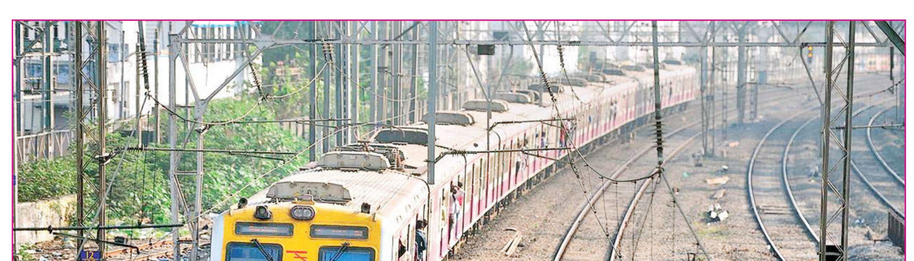

संवाददाता

लॉकडाउन के बावजूद सिस्टम को दुरुस्त रखने के लिए पश्चिम और मध्य रेलवे मानसून की तैयारियां कर रही है। बारिश के दौरान मुंबई में स्थितियां असामान्य हो जाती हैं, इस दौरान भी लोकल चलती रहे इस बात का खयाल रखा जाता है। लेकिन सिस्टम को दुरुस्त करते समय कुछ चीजें न चाहते हुए भी करनी पड़ती हैं। इस साल मानसून के तैयारियों के दौरान पश्चिम रेलवे को पक्षियों के 454 घोंसले हटाने पड़े। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी रविंद्र भाकर के अनुसार, पिछले डेढ़ महीने से ट्रेनों का परिचालन नहीं होने के कारण रेलवे ट्रैक के ऊपर ओवर हेड वायर के आसपास सामान्य से ज्यादा संख्या में घोंसले बन गए हैं। सामान्यतः इस सीजन में जहां 800-100 घोंसले मिलते थे, इस बार उनकी संख्या 3000-3500 तक पहुंच गई।

मानसून में बढ़ जाती है घोसलों की संख्या

मानसून के दौरान परिंदों के ब्रीडिंग का भी समय हो जाता है। ऐसे में पक्षी महफूज जगह खोजते हुए ओवर हेड वायर के स्ट्रक्चर पर अपना आशियाना बनाते हैं। ट्रेनों के पेंटोग्राफ को बिजली मुहैया कराने वाली तार को ओवर हेड वायर कहा जाता है। ऐसे में ओवर हेड वायर के स्ट्रक्चर में पक्षी अपने घोंसले बनाया करते हैं।

पेड़ों की हुई छंटाई

मानसून से पहले की तैयारियों के दौरान फुट पेट्रोलिंग और लाइन इंस्पेक्शन के दौरान इन घोसलों की पहचान की गई तथा वहां से उन्हें हटाया गया है। इस दौरान जिन पेड़ों की शाखाओं से ओवर हेड वायर टकराने का डर होता है, उनकी छंटनी भी होती है। इस सर्वेक्षण के दौरान 75 वृक्षों की पहचान की गई है, जो मॉनसून के दौरान गिर सकते हैं। उन वृक्षों की काट -छांट की जा रही है। इतना ही नहीं, अब तक 158 वृक्षों की छंटाई भी रेलवे कर चुकी है।

हटाने पड़ते हैं घोंसले

भाकर के अनुसार ओवर हेड वायर में 25 हजार वोल्ट की बिजली प्रवाहित होती है। जब ट्रेन दौड़ती है, तो कई बार चिंगारियां भी निकलती हैं। ऐसे में यदि घोंसले आग पकड़ लें, तो कोई हादसा हो सकता है। फील्ड पर काम करते हुए स्टाफ बड़ी चतुराई से कम से कम नुकसान हो, इसका ध्यान रखते हैं। इस बार घोंसले की संख्या 3500 तक पहुंच गई, लेकिन हटाए गए 454 घोंसले।

यूपी बॉर्डर पर फंसे करीब 5000 मजदूर

गर्भवती महिलाएं और बच्चे भूख से बेहाल

संवाददाता

कोरोना वायरस के कारण देश में लॉकडाउन लागू है। लॉकडाउन से सबसे ज्यादा परेशनी गरीब और मजदूर वर्ग के लोगों को उठानी पड़ रही है। अब उत्तर प्रदेश के महोबा में यूपी-मध्य प्रदेश बॉर्डर पर करीब पांच हजार मजदूर फंस गए हैं। ये अपने घर जाने के लिए दूसरे राज्यों से कैसे भी चले तो आए लेकिन अब यहां इन मजदूरों को यूपी में घुसने की इजाजत नहीं दी जा रही है। उत्तर प्रदेश के महोबा जिले के मध्य प्रदेश बॉर्डर पर दिल दहला देने वाला नजारा देखने को मिला है। यहां गुजरात, महाराष्ट्र से आए हजारों मजदूर फंसे हुए हैं।

लॉकडाउन के कारण बेबस, बदहाल मजदूर भीषण गर्मी में खुले आसमान के नीचे बैठने को मजबूर हैं। इनमें गर्भवती महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं, जो भूख-प्यास से बेहाल हैं। ये सभी मजदूर उत्तर प्रदेश बॉर्डर में प्रवेश कर अपने घर को जाने के लिए आए हैं। हालांकि इन्हें बॉर्डर पार करने की इजाजत नहीं है। बॉर्डर पर जिले की पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों का जमावड़ा लगा है और इनको बॉर्डर क्रॉस नहीं करने दिया जा रहा है। दरअसल, महोबा जिले में कैमाहा गांव के पास उत्तर प्रदेश-मध्य प्रदेश का बॉर्डर है। यहां गुजरात, महाराष्ट्र से सैकड़ों वाहनों में हजारों मजदूर पहुंचे हैं। बॉर्डर क्रॉस करने की इजाजत नहीं होने के कारण ये मजदूर भूखे-प्यासे ही खुले आसमान के नीचे बैठने को मजबूर हैं। गर्मी के कारण गर्भवती महिलाओं और बच्चों की हालत ज्यादा खराब है।

लंबा सफर किया तयः लॉकडाउन के बाद बड़ी तादाद में बेरोजगार हुए ये मजदूर काफी लंबा सफर तय कर महोबा पहुंचे थे। एक तरफ जहां महोबा जिला प्रशासन इन्हें अपनी सीमा में घुसने नहीं दे रहा है तो वहीं एमपी सरकार भी अब इन्हें अपने यहां वापस नहीं आने दे रही है। इससे हजारों बेबस मजदूर इसी बॉर्डर पर फंसे हुए हैं। बॉर्डर पर तैनात महोबा जिले के एएसपी वीरेंद्र कुमार ने बताया कि कोरोना महामारी के चलते हुए लॉकडाउन ने लाखों करोड़ों मजदूरों की रोजी–रोटी छीन ली है। दूसरी जगह पर रोज कमाने–खाने वालों के सामने रोटी का संकट पैदा हो गया है। अपने परिवारों की भूख मिटाने के लिए मजदूर अपने–अपने घरों को चल दिए हैं।

ताजमहल है नंबर वन टूरिस्ट डेस्टिनेशन

भारत में घूमने के लिए एक से बढ़कर एक खूबसूरत और ऐतिहासिक जगहें हैं। इन जगहों को देखने के लिए टूरिस्ट भी दूर-दूर से आते हैं। भारत की शान कहे जाने वाले ताजमहल से लेकर आमेर किले तक पर्यटकों की भाड़ लगी रहती है। रिपोर्ट के मुताबिक ताजमहल को भारत की नंबर वन टूरिस्ट प्लेस माना जाता है। ट्रैवल बसाइट ट्रिप एडवाइजर के मुताबिक ताजमहल को देखने के लिए सबसे ज्यादा पर्यटक आते हैं। आज हम आपको भारत की कुछ ऐसी ही जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसे देखने के लिए हर साल भारी संख्या में टूरिस्ट आते हैं।

1. ताजमहल है घूमने के लिए बेस्ट

दुनियाभर में प्यार की निशानि माने जाने वाले ताजमहल की खूबसूरती आज भी बरकरार है। भारत की शान और प्रेम के प्रतीक इस स्मारक को देखने देश-विदेश से लाखों पर्यटक आते हैं। ताजमहल आगरा की तीन विश्व सांस्कृतिक धरोहरों में से भी एक माना जाता है।

2. आमेर का किला

ताजमहल के बाद भारत की सबसे फेमस टूरिस्ट प्लेस आमेर का किला है। आम दिनों की अपेक्षा भारत में गर्मियों में इस टूरिस्ट प्लेस पर पर्यटकों का आना दोगुना हो जाता है। आमेर पैलेस को देखने के लिए हर साल कम से कम 46 लाख टूरिस्ट आते हैं, जिसको ध्यान में रखते हुए सरकार भी यहां पर्यटकों के लिए ई-रिक्शा शुरू करने जा रही है। केंद्र सरकार भी इसको आइकोनिक टूरिज्म के रूप में विकसित करने जा रही है। इसलिए इसके आसपास पर्यटक सुविधा पार्किंग, होटल को विकसित किया जाएगा।

3. गोल्डन टेंपल

यह गुरुद्वारा पंजाब के अमृतसर शहर में है और इसे श्री दरबार साहिब व स्वर्ण मंदिर भी कहा जाता है। टूरिज्म के हिसाब से इसे भी भारत का सबसे फेमस प्लेस माना जाता है। यहां रोजाना 50-70 हजार लोग आते और किसी खास मौके पर यह संख्या 1 लाख तक पहुंच जाता है। यहां पर विदेशी लोगों के लिए खास इंतजाम किए गए है।

4. मुंबई का बांद्रा वर्ली सी लिंक

भारत में टूरिज्म के लिए मुंबई का बांद्रा वर्ली सी लिंक को चौथा स्थान मिला है। बांद्रा-वर्ली सी लिंक भारत के दस आधुनिक अजूबों में शामिल किया गया है। इसपर से रोजाना 10 लाख वाहन गुजरते हैं।

5. नई दिल्ली, स्वामीनारायण अक्षरधाम मंदिर

वैसे तो भारत में घूमने के लिए कई मंदिर है लेकिन नई दिल्ली के इस ऐतिहासिक मंदिर को देखने के लिए टूरिस्ट भारी संख्या में आते हैं। इसी कारण यह भारत की टॉप 5 डेस्टिनेशन्स में से एक है।

6. आगरा का किला

ताजमहल के साथ-साथ आगरा का सबसे पुराना किला भी भारत की टॉप बेस्ट डेस्टिनेशन्स में से एक है। ट्रिप एडवाइजर के सर्वे के अनुसार यह 6वें नंबर पर है। बलुआ पत्थर से बने इस किले को तैयार होने में करीब 8 साल लग गए थे। इसकी खूबसूरती देखने के लिए देश से नहीं बल्कि विदेश से भी पर्यटक आते हैं।

7. कुतुब मीनार

दिल्ली की शान कुतुब मीनार के बारे में भला कौन नहीं जानता लेकिन क्या आप जानते हैं कि यह भारत टूरिज्म लिस्ट में सातवें नंबर पर है। कुतुब मीनार 120 मीटर ऊंची दुनिया की सबसे बड़ी ईंटों की मीनार है और मोहाली की फतेह बुर्ज के बाद भारत की दुसरी सबसे बड़ी मीनार है।

8. मुंबई, श्री सिद्धिविनायक मंदिर

दिल्ली के बाद भारत के इस मंदिर में दर्शन के लिए सबसे ज्यादा पर्यटक आते हैं, जिसके कारण यह 8 वें नंबर पर है। मुंबई के प्रभादेवी में स्थित श्री सिद्धिविनायक मंदिर देश में स्थित सबसे पूजनीय मंदिरों में से एक है। यह मंदिर भगवान गणेश को समर्पित है।

9. जोधपुर, मेहरानगढ़ का किला

जोधपुर का मेहरानगढ़ किला 120 मीटर ऊंची पहाड़ी पर बना है, जिसके कारण यह कुतुब मीनार से भी उंचा माना जाता है। 1000 साल पहले बने इस किले जैसा हूबहू किला बहावलपुर सिंध पाकिस्तान में है, जो किशनगढ़ के सामने की तरफ है। इसके उपर से पूरा पाकिस्तान दिखाई देता है। इस किले की दीवारें 10 कि.मीटर की दूरी तक फैली हुई है। ऐसी कई खासियतों के लिए टूरिस्ट इस किले को देखने के लिए देश-विदेश से आ जाते हैं और इसकी कारण यह टूरिज्म लिस्ट में नंबर 9 पर है।

10. नई दिल्ली, गुरुद्वारा बंगला साहिब

राजधानी दिल्ली में सिखों का सबसे बड़ा धर्मिक स्थल गुरुद्वारा बंगला साहिब आत्मिक शांति की तलाश में भारत आए विदेशी पर्यटकों का पसंदीदा स्थान बनकर उभर रहा है। यहां टूरिस्ट देश-विदेश से आते हैं, जिसके कारण इसे भी टूरिज्म लिस्ट में 10 वें स्थान पर रखा गया है।

मुंबई हलचल राशिफल

-आचार्य परमानंद शास्त्री

मेषः चोट, चोरी व विवाद आदि से हानि संभव है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। नकारात्मकता बनी रहेगी।

वृषः कोर्ट व कचहरी में अनुकूलता रहेगी। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी।

मिथुनः वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। बेरोजगारी दूर होगी।

कर्कः पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा।

सिंहः शोक समाचार मिल सकता है। चिंता तथा तनाव रहेंगे। विवाद से बचें। आय में कमी रहेगी।

कन्याः प्रयास सफल रहेंगे। मान-सम्मान मिलेगा। धन प्राप्ति सुगम रहेगी। प्रतिद्वंद्वी सक्रिय रहेंगे।

तुलाः शारीरिक कष्ट संभव है। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। मान बढ़ेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी।

वृश्चिकः व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बेरोजगारी दूर होगी। अप्रत्याशित लाभ संभव है। उत्साह बढ़ेगा।

धनुः मेहमानों पर व्यय होगा। कुसंगति से बचें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

मकरः कष्ट व भय का वातावरण रहेगा। उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। बकाया वसूली होगी। यात्रा सफल रहेगी।

कुंभः नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। शत्रु शांत रहेंगे। प्रसन्नता रहेगी।

मीनः धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। विवेक से कार्य करें। आय बढ़ेगी। कानूनी अड़चन दूर होगी। प्रमाद न करें।

सीधा नहीं बल्कि उल्टा है यह घर, जानिए इसमें और भी क्या है खासियत

आजकल के इस मॉर्डन टाइम में हर कोई अपना घर अलग और अनोखे तरीके बनाने की सोचता है। हर कोई चाहता है कि उनके घर को देखकर आप बस उसे देखते ही रह जाए लेकिन आज हम आपको एक ऐसे घर के बारे में बताने जा रहे हैं, जोकि उल्टा बना हुआ है। मलेशिया के इस घर को देखने के लिए टूरिस्ट दूर-दूर से आ रहे हैं। बाहर से नहीं, यह घर अंदर से देखने में भी बहुत खूबसूरत है। आइए जानते हैं इस घर के बारे में कुछ और बातें।

इस घर के अंदर लोग छत से लटकने का आनंद लेते हैं। मलेशिया के इस केएल टॉवर में बने नए अपसाइड डाउन हाउस में लोग घूमने का पूरा मजा ले रहे हैं। घर के अंदर के हिस्से को डिफरेंट-डिफरेंट तरीकों से सजाया गया है।

इस घर के अंदर एक गैलरी भी बनाई गई है। इसके अलावा इस घर को बाहर और अंदर की तरह से अलग-अलग रंगों से डैकोरेट किया गया है। बच्चों को घूमाने के लिए यह जगह एकदम बेस्ट हैं। इस घर के गेट पर अपसाइड डाउन पीले रंग की कार लगाई गई है, जोकि इस अनोखे घर की खूबसूरती को बढ़ाता है।

इस घर के अंदर हर चीज उपर लटकी हुई है। बेड से लेकर हर छोटी-छोटी चीज को उपर छत से लगाया गया है। छत पर लगे हल्के रंग के कालीन, बैड और सोफे देखकर आपका सिर भी चकरा जाएगा। घर के हर कमरे को अलग-अलग तरीके से डिजाइन किया गया है।

इसके साथ ही इस घर की हर चीज को कलरफुल लुक देने की कोशिश की गई है। घर की बनावट के साथ-साथ इसका इंटीरियर भी बेहद खास है। घर के बाहर भी खूबसूरत गार्डन बना है, जिसमें बैठकर आप शांत वातावरण का मजा ले सकते हैं। इस गार्डन में कई तरह के फूल लगे हैं, जोकि गार्डन के साथ घर की खूबसूरती को भी बढ़ा रहे हैं।

घर के बाहर लगे बड़े से साइन बोर्ड के जरिए आपको इसे ढूढ़ने में भी कोई मुश्किल नहीं होगी। अगर आप भी मलेशिया घूमने का प्लान बना रहे हैं तो इस अजीबो-गरीब, एंडवेंचर्स और खूबसूरत घर को देखना न भूलें।

जापान में 19 लाख में बिके दो खरबूजे

इंडिया टाइम्स की एक खबर के अनुसार बीते शनिवार को जापान में हुई एक नीलामी के दौरान दो प्रीमियम खरबूजों की कीमत 29,300 अमेरिकी डॉलर तक लगी जिसका भारतीय मुद्रा में मूल्य लगभग 19.84 लाख रुपए के बराबर होता है। वैसे पता चला है कि जापान में ऐसी नीलामी होती रहती है, और आमतौर पर प्रीमियम खरबूजों की कीमत 6 से 10 हजार रुपए के बीच होती है। आप सोच रहे होंगे कि खरबूजे में ऐसी क्या खासियत होती है जो ये इतना मंहगा बिकता है। तो जान लीजिए कि जापान में इस फल को सम्मान के साथ जोड़ करा देखा जाताहै। सूत्रों के अनुसार युबरी के नाम से फेमस इन खरबूजों को इस साल उत्तरी होक्काइडो में साप्पोरो सेंट्रल होलसेल मार्केट में एक स्थानीय फल पैकिंग फर्म ने इतना मंहगा दाम देकर खरीदा है।

आकार और सुंदरता के आधार पर तय होता है दाम

जापान में खरबूजों को लेकर इस कद अलग जुनून है कि यहां के किसान फल के आकार को और देखने में सुंदरता को लेकर काफी सजग रहते हैं। अच्छे दाम के लिए खरबूजों का एकदम गोल और सुघड़ होना आवश्यक है। फल अगर सही आकार का नहीं होता तो वे उसे इस्तेमाल नहीं करते। उसका वजन भी कीमत में खास भूमिका अदा करता है। सुनने पर यकीन नहीं होता की बदसूरत दिखने की वजह कई सारे खरबूजे बर्बाद जाते हैं।

www.mumbaihalchal.com mumbaihalchal@gmail.com facebook@mumbaihalchal TWITTER: @mumbaihalchal

अपच से लेकर कैंसर तक, कई प्रॉब्लम्स का काल है अनार की चाय

मीठे और लाल रस भरे अनार का सेवन सेहत के लिए अच्छा माना जाता है। हैल्थ प्रॉब्लम्स दूर करने के लिए लोग रोजाना इसके दानों का सेवन करते हैं लेकिन क्या आप जानते हैं इसका छिलका भी सेहत की कई समस्याए दूर करता है। इसके छिलकों से बनी चाय में मौजूद कई महत्वपूर्ण एंटीऑक्सिडेंट्स के कारण ये पाचन से लेकर कैंसर तक की बीमारी को दूर रखने में मददगार होता है। इसलिए इसका चाय का सेवन आपकी कई हैल्थ प्रॉब्लम को दूर करता है। आज हम आपको अनार के छिलकों की चाय बनाने का तरीका और इसके फायदे बताएंगे। इसे जानकर आप भी रोजाना इसका सेवन शुरू कर देंगे।

चाय के लिए ऐसे तैयार करें अनार के छिलके

एंटीऑक्सिडेंट्स और मिनरल्स के साथ-साथ इसके छिलके में विटामिन सी, फेनॉलिक्स और फ्लैवेनॉइड भी पाया जाता है, जोकि सेहत के लिए फायदेमंद होता है। इसके छिलकों को चाय बनाने के लिए तैयार करना है तो पहले इसे साफ पानी से धोकर इन्हें धूप में सूखा लें। सूखाने के बाद इन्हें छोटे-छोटे टुकड़ों में तोड़ लें। इसके बाद इसे ब्लैंड करके पाउडर बना लें। अब अनार के छिलकों के इस पाउडर को किसी एयर टाइट कंटेनर में भरकर रख दें ताकि ये खराब न हो।

ऐसे बनाएं अनार के छिलकों की चाय

अनार के छिलकों की चाय बनाने के लिए सबसे पहले पैन या इलेक्ट्रॉनिक केटल में एक कप पानी गर्म करें। इसके बाद इसमें 1 टीस्पून अनार के छिलकों का पाउडर डालें और थोड़ी देर ऐसे ही रहने दें। इसके बाद इसे छानकर इसमें थोड़ा-सा नींबू का रस और ऑर्गेनिक शहद मिलाएं। आपकी चाय तैयार है। अब आप इसे दिन में 2 बार पी सकते हैं।

अनार के छिलकों से बनी चाय के फायदे

1. पाचन के लिए फायदेमंद

अगर आपको पाचन से जुड़ी प्रॉब्लम रहती है तो भोजन के बाद 1 कप अनार की चाय का सेवन करें। इससे आपका पाचन सिस्टम ठीक हो जाएगा। इसके अलावा डायरिया की समस्या होने पर भी इसका सेवन करना बहुत फायदेमंद होता है।

2. दिल की बीमारियों से बचाए

अनार के छिलकों में मौजूद एंटीऑक्सिडेंट्स, फ्लेवेनॉइड्स, फेनॉलिक्स और विटामिन सी जैसे गुण दिल को मजबूत करके उसे बीमारियों से बचाते हैं। रोज इस चाय को पीने से आपका ब्लड प्रेशर कंट्रोल में रहता है और शरीर में कोलेस्ट्राल स्तर भी नियंत्रित रहता है। इससे आप किसी भी तरह के हार्ट डिसीज से दूर रहते हैं।

3. उम्र का प्रभाव करे कम

दिन में सिर्फ एक बार भी इस चाय को पीने से उम्र का प्रभाव कम होता है। दरअसल, इस चाय का सेवन शरीर में एंटीऑक्सिडेंट्स फ्री रेडिकल्स को न्यूट्रिलाइज करते हैं, जिससे झुर्रियां, काले घेरे और फाइन लाइन जैसी प्रॉब्लम नहीं होती। इसके अलावा इसका सेवन आपको जोड़ों के दर्द, कमजोरी हड्डी और शरीर में दर्द की समस्या भी नहीं होने देता।

4. कैंसर से भी बचाएगी ये चाय

रिसर्च के अनुसार, अनार के छिलकों में मौजूद तत्व शरीर में कैंसर की आशंका को कम करते हैं। इतना ही नहीं, इसका सेवन ब्रेस्ट और स्किन कैंसर के खतरे को काफी हद तक कम कर देता है। इसलिए दिन में एक बार अनार की चाय का सेवन जरूर करें इसे ने से आप कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से भी खुद को बचा सकते हैं।

5. विटामिन सी से भरपूर

विटामिन 'उ' यानि एस्कॉर्बिक एसिड भी शरीर को स्कर्वी बीमारीयों से बचाने में मदद करता है। इसकी कमी होने पर त्वचा रोग, झुर्रियां, इम्यून सिस्टम कमजोर, महामारी के समय हैवी ब्लीडिंग, हृदय रोग और आंखों संबंधित बीमारियां होने लगती हैं। ऐसे में अनार की चाय का सेवन आपके शरीर में विटामिन सी की कमी को पूरा करता है, जिससे आप इन सभी समस्याओं से बचे रहते हैं।

6. गले में खराश

अगर आपके गले में खराश है या आप टॉन्सिल दर्द से परेशान है तो इस चाय का सेवन करें। इससे आपको इस समस्या से तुरंत राहत मिल जाएगी।

7. बॉडी डिटॉक्स करने के लिए

अनार के छिलके से बनी इस चाय का सेवन बॉडी को डिटॉक्स करने के लिए भी फायदेमंद है। एंटीऑक्सीडेंट के गुणों से भरपूर यह चाय शरीर से विषैले पदार्थों को निकालकर आपको बीमारियों से बचाती है।

गर्मियों में होने वाली स्किन प्रॉब्लम्स की छुट्टी कर देंगे ये फेसपैक

गर्मियों में तेज धूप और धूल-मिट्टी पसीने के कारण कई तरह की स्किन प्रॉब्लम जैसे रैशेज, खुजली, इरिटेशन और जलन आदि होने लगती है। इसलिए ऐसे गंदे मौसम में स्किन का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। चाहे आप रोजाना धूप और धूल-मिट्टी से बचाव के लिए कई तरह के ब्यूटी प्रॉडक्ट्स इस्तेमाल करते होंगे लेकिन इनमें भी केमिकल्स मिलें होने के कारण भी स्किन को जलन हो सकती है। इसलिए आप स्किन को कूलिंग और सूदिंग इफेक्ट देने के लिए साथ में घरेलू फेस पैक ट्राई करें। इससे बिना किसी साइड-इफैक्ट के स्किन हाईड्रेट भी होगी और गर्मी में होने वाली स्किन प्रॉब्लम्स से राहत भी मिलेगी।

1. खीरे का फेस पैक

इसमें ऐसे तत्व होते हैं जो स्किन को ठंडक देते हैं और ड्राय स्किन से राहत मिलती है। इसे इस्तेमाल करने के लिए आधे खीरे को ब्लेंड करके पेस्ट बना लें और इसमें गुलाबजल मिला कर इसे चेहरे पर 15 मिनट के लिए लगाएं। फिर चेहरे को सादे पानी से धो लें।

2. मुल्तानी मिट्टी का फेस पैक

जिन लड़कियों की स्किन ऑयली है, उनके लिए यह बहुत कारगार उपाय है। इसके लिए 1 टेबलस्पून मुल्तानी मिट्टी में 2 टेबलस्पून गुलाबजल और शहद मिलाएं। इसे चेहरे पर लगाकर सूखने पर धो लें। अगर आप चाहे तो मुल्तानी मिट्टी की जगह चंदन पाउडर भी ले सकती है।

3. पुदीने का फेस पैक

इस फेस पैक से आपकी स्किन कूल भी रहेगी साथ ही पिंपल्स से भी राहत मिलेगी। यह फेस पैक हर तरह की स्किन पर सूट करता है। इसे तैयार करने के लिए पुदीने के पत्तों को धोकर पीस लें और फिर इसमें 1 चुटकी हल्दी मिक्स करके चेहरे पर लगाएं और सूखने पर धो लें। इस उपाय को सप्ताह में दो बार करें।

4. ठंडे दूध का फेस पैक

ठंडे दूध से तैयार फेस पैक चेहरे पर कलींजर की तरह काम करता है और गर्मियों होने वाली स्किन प्रॉब्लम से राहत दिलाता है। इस पैक को तैयार करने के लिए 2 टेबलस्पून ठंडे दूध में 1 टीस्पून शहद मिलाकर इस पेस्ट को चेहरे पर लगाएं और फिर सूखने के बाद चेहरे को धो लें।

5. दही का फेसपैक

धूप में होने वाली टैनिंग और सनबर्न जैसी परेशानियों से राहत पाने के लिए दही का फेस पैक बहुत बढ़िया ऑप्शन है। इस पैक को तैयार करने के लिए 2 टेबलस्पून दही में 1 टेबलस्पून बेसन मिला कर पेस्ट तैयार कर लें। इसे चेहरे और गर्दन पर अच्छी तरह लगाएं और सूखने के बाद हाथों से रगड़ते हुए छुड़ाए। फिर सादे पानी से धो लें।

आपकी डेली रूटीन की ये गलतियां त्वचा को बना देती है बेजान

लड़के हो या लड़कियां खूबसूरत दिखना तो हर कोई चाहता है। सभी चमकदार और ग्लोइंग स्किन के लिए कई तरह के ब्यूटी प्रॉडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं लेकिन इन प्रॉडक्ट्स का असर कुछ ही समय के लिए ही रहता है। चेहरे का रूखापन और बीमार दिखने के पीछे हमारी कुछ बुरी आदतें भी होती है। अगर आप इन आदतों में बदलाव कर लेंगे तो आपकी स्किन ग्लो करने लगेगी और आप लंबे समय तक जवान दिखेंगे। आइए जानिए आपकी वह कौन-सी है बुरी आदते, जिसके कारण स्किन हो जाती है बेजान।

बेजान त्वचा का कारण है ये आदतें

1. साबुन का ज्यादा इस्तेमाल करना

कुछ लोग चेहरे पर निखार लाने के लिए उसे बार-बार साबुन से धोते हैं जिससे चेहरा धीरे-धीरे रफ दिखने लगता है। इसलिए चेहरे पर साबुन का कम से कम इस्तेमाल करें। चेहरे से गंदगी हटाने के लिए घरेलू फेसवॉश, फेसपैक या फिर मुल्तानी मिट्टी का इस्तेमाल करें।

2. कम पानी पीना

पानी कम मात्रा में पीने से शरीर से विषैले पदार्थ बाहर नहीं निकल पाते, जिसके कारण भी स्किन भी अनहैल्दी ड्राय और डेड दिखने लगती है। अगर आप शरीर और स्किन को हैल्दी बनाना चाहते हैं तो खूब सारा पानी पीएं।

3. जंकफूड का ज्यादा सेवन

अगर आप स्किन को ग्लोइंग बनाना चाहते हैं तो जंकफूड और ऑयली चीजों को न खाएं। डाइट में ज्यादा से ज्यादा फलों और सब्जियों का सेवन करें। कुछ ही महीनों में आपकी स्किन ग्लो करने लगेगी।

4. पूरी नींद न लेना

रोजाना एक व्यक्ति को कम से कम 6 से 8 घंटे नींद लेनी चाहिए। अगर आप कम नींद लेते हैं तो आपकी आंखो पर डार्क सर्कल और चेहरे पर दाग पड़ने लगते हैं। अगर आप इन समस्याओं से राहत पाना चाहते हैं तो रोजाना 6 से 8 घंटे नींद लें।

ग्लोइंग स्किन के लिए इन बातों पर भी दे ध्यान

1. रोजाना करें वॉक

वॉक केवल सेहत के लिए ही नहीं स्किन के लिए भी फायदेमंद है। वॉक के साथ एक्सरसाइज कर ली जाएं तो स्किन के लिए और भी बढ़िया होगा।

2. चेहरे को क्लीनजिंग करें

पूरे दिन की धूल-मिट्टी हटाने के लिए रोजाना चेहरे की क्लीनजिंग करें। इसके लिए मुल्तानी मिट्टी, ठंडा दूध या फिर घरेलू फेसवॉश का इस्तेमाल करें।

3. सनस्क्रीन लगाना न भूलें

तेज धूप में सूर्य की किरणें स्किन पर बहुत बुरा असर डालती है इसलिए धूप में बाहर निकलने से पहले समस्क्रीन लगाना न भूलें।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

गिटार बजाते समय कार्तिक आर्यन की खुली पोल

कार्तिक आर्यन सोशल मीडिया पर काफी ऐक्टिव रहते हैं। वह लगातार कोरोना वायरस से बचने के लिए लोगों को जागरूक कर रहे हैं और लोगों से घर पर रहने की अपील कर रहे हैं। इसके साथ वह भी घर पर रहकर लोगों को एंटरटेन कर रहे हैं। एक बार फिर उन्होंने सोशल मीडिया पर एक फनी वीडियो शेयर किया है। कार्तिक आर्यन ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है। जिसे देखकर आपको लगेगा कि वह एक प्रोफेशनल गिटारिस्ट हैं लेकिन बीच में ही उनकी पोल खुल जाती है और लोगों को पता चल जाता है कि वह मस्ती कर रहे हैं। कार्तिक आर्यन ने इस वीडियो के साथ लिखा, मुझसे नफरत करने वाले तो यही कहेंगे कि मैं सच में गिटार नहीं बजा रहा हूं। कार्तिक आर्यन ने पीएम केयर्स फंड में 1 करोड़ रुपये का डोनेशन दिया है और लोगों से मदद करने की अपील भी की। इसके अलावा उन्होंने 'कोकी पूछेगा' नाम की सीरीज भी चलाई। इस सीरीज के तहते उन्होंने कोरोना सर्वाइवर्स के इंटरव्यू किए।

ईशा गुप्ता का टिक टॉक पर धमाकेदार डेब्यू

बॉलिवुड ऐक्ट्रेस ईशा गुप्ता ने एक अपना एक ऐसा क्रेजी डांस वीडियो शेयर किया, जिसे शायद आप क्लिक कर दोबारा देखना पसंद करेंगे। वैसे, मौका ही कुछ ऐसा है....दरअसल दो खुशियां एक साथ हैं। अपने इसी डांस वीडियो के साथ उन्होंने यह भी बताया है कि उन्होंने टिकटॉक पर भी डेब्यू कर लिया है। ईशा गुप्ता अक्सर अपने बोल्ड तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर किया करती हैं, लेकिन इस बार खुशखबरी ही ऐसी है कि वह नाच पड़ीं और अपना यही डांस वीडियो उन्होंने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया है। एक तरफ इंस्टाग्राम पर 5 मिलियन फॉलोअर्स पूरे तो दूसरी तरफ ईशा ने टिकटॉक पर डेब्यू कर लिया है। अब इन दो खुशियों को उन्होंने अपने खूबसूरत डांस वीडियो के साथ फैन्स के साथ शेयर किया है। उनके इस वीडियो में उनकी खुशी चेहरे पर साफ नजर आ रही है। हाल ही में ईशा गुप्ता के बॉलिवुड में 8 साल पूरे हो गए। बता दें कि बॉलिवुड ऐक्ट्रेस ईशा गुप्ता ने डायरेक्टर महेश भट्ट की फिल्म 'जन्नत 2' से फिल्म डेब्यू किया था।

सारा अली खान ने मां-नानी के साथ शेयर की बचपन की फोटो

किसी भी इंसान के जीवन में एक मां का जो योगदान होता है उसे भुलाया नहीं जा सकता है। वैसे तो उसे याद भी हर दिन करना चाहिए मगर इसके लिए एक खास तारीख भी रख दी गई है। 10 मई, 2020 यानी सारी दुनिया मदर्स डे मनाती है और जीवन में अपनी मां के योगदान के लिए उनका शुक्रिया अदा करती। सोशल मीडिया पर मां को मदर्स डे विश करने का सैलाब उमड़ पड़ा है। एक्ट्रेस सारा अली खान ने भी इस खास मौके पर एक बेहद खास तस्वीर शेयर की है। सारा अली खान ने इंस्टाग्राम पर एक फोटो शेयर की है जिसमें वे, उनकी मां अमृता और उनकी नानी नजर आ रही हैं। तस्वीर में तीनों की शानदार बॉन्डिंग नजर आ रही है। सारा अली खान की ये फोटो उस समय की है जब वे नई-नई इस दुनिया में आई थीं। उन्होंने कैप्शन में लिखा- मेरी मां की मां। मम्मी को जन्म देने के लिए आपका शुक्रिया। हैपी मदर्स डे। सारा की इस फोटो को खूब पसंद किया जा रहा है। बता दें कि सारा अली खान अपनी मां के बेहद करीब हैं और सोशल मीडिया पर उनके साथ खिंची तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। लॉकडाउन में वे फैमिली संग हैं। वे अपनी मां और भाई इब्राहिम अली खान के साथ अच्छा वक्त बिता रही हैं।